हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 139 | देहरादून, बृहस्पतिवार 23 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

भाजपा महानगर कार्यालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया 3

प्रदेशवासियों को इगास पर्व और बूढ़ी दीपावली की बधाई : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को इगास पर्व /बूढ़ी दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोक पर्व एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सामाजिक जीवन में जीवंतता प्रदान करने का कार्य करते हैं, उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा उस राज्य की आत्मा होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति एवं परम्परा देवभूमि की पहचान है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा उस राज्य की आत्मा होती है, इसमें इगास का पर्व भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि हम राज्य की लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये संकल्पबद्ध हैं। अपनी लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये हम प्रयासरत हैं। हमारी युवा पीढ़ी अपनी लोक संस्कृति एवं लोक पर्वों से जुड़े इसके भी प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इगास बग्वाल से कई एतिहासिक पहलु भी जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोग इगास पर्व पर अपनी परम्पराओं के साथ अपने पैतृक गांवों से भी जुड सके इसके लिये राज्य में इगास पर्व पर सार्वजनिक अवकाश की परम्परा शुरू की गई है। इससे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं से हमारी भावी पीढी भी जुड सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने लोक पर्वों के माध्यम से अपनी संस्कृति को संरक्षित करने तथा प्रकृति के संरक्षण की भी हमारी परम्परा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में विभिन्न संस्कृति और रीति - रिवाजों को मानने वाले लोग निवास करते हैं, एक तरह से उत्तराखण्ड लघु भारत का रूप है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की भी कामना की है।

डीएम सोनिका ने ली 30 सूत्रीय कार्यक्रम की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 नवंबर : जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में 30 सूत्रीय कार्यक्रम की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने विभाग का वार्षिक कैलेंडर बनायेगें तथा पीएम गतिशील पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही निर्देशित किया कि विभाग अपनी भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित करते हटाने की कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन अपलोड भी करें। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए 30 सूत्रीय कार्यक्रम से सम्बन्धित अपने विभाग से सम्बन्धित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही की सूचना मुख्य विकास अधिकारी को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने वन विभाग को ईकोटूरिज्म, मल्टीलेवल पार्किंग की अद्यतन प्रगति की रिपोर्ट अद्यतन करने तथा एमडीडीए को के निर्देश दिए नई पार्किंग की स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त विभागो के अधिकारियों को अभिलेखों के डिजिटिलाईजेनशन करने तथा अभिलेखों की विडिंग करवाते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्हांने नगर निगम निराश्रित पशुओं के आश्रय की सूचना अद्यतन करने तथा समस्त विभागीय अधिकारियों को कर्मचारियों की एसीआर लिखने की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी वैभव सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, पुलिस अधीक्षक यातायात सर्वेश पंवार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकान्त गिरी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी नौटियाल, एमडीडीए,नगर निगम, लोनिवि, सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड : श्रीनगर गढवाल से अल्मोड़ा के लिए शुरू हुई नंदा देवी एक्सप्रेस बस सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीनगर 23 नवंबर : गढ़वाल से कुमाऊं के बीच यात्रा करने वाले लोगों का सफर आसान होने जा रहा है। हरिद्वार-श्रीनगर-अल्मोड़ा नंदा देवी बस सेवा एक बार फिर शुरू कर दी गई है। कोरोना काल में इस बस सेवा को बंद कर दिया गया था, जिस वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

20 नवंबर से इसे एक बार फिर शुरू किया गया है। कर्णप्रयाग रूपकुंड स्टेशन इंचार्ज मोहन प्रसाद देवराड़ी ने बताया कि हरिद्वार से शुरू होने वाली नंदा देवी एक्सप्रेस की यह सेवा रात्रि विश्राम को श्रीनगर में रुकेगी। अगले दिन सुबह 5 बजकर तीस मिनट पर श्रीनगर से अल्मोड़ा का सफर शुरू होगा। अल्मोड़ा से यह बस सेवा सुबह 5 बजकर तीस मिनट से हरिद्वार के लिए उपलब्ध होगी। इस तरह रूपकुंड पर्यटन विकास समिति थराली चमोली और सीमांत सहकारी संघ द्वारा जनता की मांग पर दो साल से बंद हरिद्वार-श्रीनगर-अल्मोड़ा नंदा देवी बस सेवा सोमवार 20 नवंबर से शुरू हो गई।

इस बस सेवा के शुरू होने से लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। कोरोना काल के दौरान अल्मोड़ा-श्रीनगर की बस सेवा को बंद कर दिया गया था। अब समिति की मांग पर बस सेवा को नंदा देवी एक्सप्रेस के नाम शुरू किया गया है। नंदा देवी एक्सप्रेस दोपहर दो बजे हरिद्वार से चलकर श्रीनगर में रात्रि विश्राम के लिए पहुंचेगी। दूसरे दिन बस सुबह साढ़े पांच बजे श्रीनगर से चलकर अल्मोड़ा पहुंचेगी। तीसरे दिन बस सुबह साढ़े पांच बजे अल्मोड़ा से चलकर हरिद्वार पहुंचेगी।

पति का दिलचस्प अनुभव पढ़िए, नसीहत भी प्यार भी

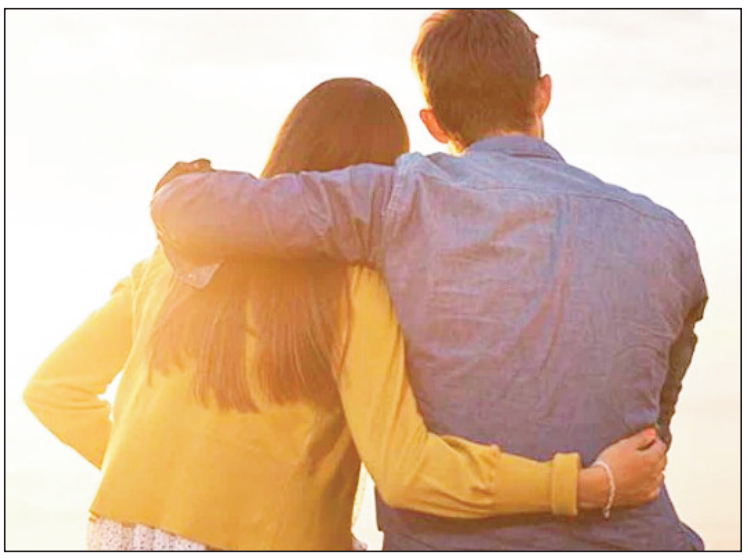

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , ये अनुभव मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित एक निजी अनुभव है जो पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता के लिए एक सुखद सत्य से कम नहीं है लिहाज़ा पूरा पढियेगा। लेखक कहते हैं कि बरसों से मैंने अपनी मां को करवाचौथ पर अपने पिता के लिए उपवास करते देखा है, लेकिन इसमें कभी कुछ अजीब नहीं लगा. लेकिन जब मेरी शादी हुई, तब मुझे करवा चौथ का असली मतलब समझ में आया. चूंकि मैं नोएडा में एक एकल परिवार में रहता हूं, इसलिए मुझे अपनी पत्नी के करवा चौथ पर एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा. समस्या यह थी कि करवा चौथ की शाम को पत्नी के साथ करवा (मिट्टी का घड़ा) कौन बदलेगा ?

दुखी नहीं देखना चाहता

करवा चौथ के बारे में नहीं जानने वालों के लिए आपको बता दें कि शाम को चांद देखने से पहले महिलाएं एक-दूसरे के साथ करवा बदलती हैं. एक महिला अपना दाहिना पैर दूसरी महिला के बाएं पैर से जोड़ती है और फिर दोनों करवा का आदान-प्रदान करते हैं. अब फिर से अपने पहले करवा चौथ पर आते हैं. चूंकि मैं अपनी पत्नी की भक्ति से बहुत प्रभावित था, मैं अपनी पत्नी को किसी भी परिस्थिति में दुखी नहीं देखना चाहता था, इसलिए मैंने उससे कहा कि तुम चिंता मत करो, मैं सारी व्यवस्था कर दूंगा.

ज़मीर की बात सुनी

लेकिन जब मेरे दिमाग में कुछ नहीं आया, तो मैंने फैसला किया कि मैं खुद उसके साथ करवा का आदान-प्रदान करूंगा. एक बार जब मैंने फैसला कर लिया, तो मैंने पूरे दिन कुछ नहीं खाया. हालांकि, मैंने कई बार दिन में कुछ खाने के बारे में सोचा, यह सोचकर कि मेरी पत्नी को पता नहीं चलेगा. लेकिन अपने ज़मीर की बात सुनकर मैंने कुछ नहीं खाया. तो धीरे-धीरे दिन बीतता गया और शाम को मैंने चांद देखा. फिर मैंने अपनी पत्नी के साथ करवा का आदान-प्रदान किया. तभी मेरी पत्नी ने चांद को देखकर छलनी से मेरी ओर देखा और उसकी आंखों में आंसू भर आए. उसने तुरंत मुझे गले से लगा लिया और कहा- आई लव यू.

व्रत रखकर देखिए

हर करवा चौथ मुझे उस समय मेरी पत्नी के चेहरे की याद दिलाता है. तब से, जब मेरी पत्नी पूरे दिन के उपवास के बाद हर करवा चौथ पर गले लगाकर 'आई लव यू' कहती है, तो ऐसा लगता है कि आने वाले साल के लिए मैं उसकी सारी समस्याओं को अपने ऊपर ले सकता हूं. तो दोस्तों करवा चौथ पर अपनी पत्नी के साथ रखें व्रत, देखिए आपको कितना सुख मिलेगा. तो 'आप सभी को बेहतरीन पति जीवन की शुभकामनाएं'.पाठकों ये निजी अनुभव समाज को एक आइना भी दिखाता है लिहाज़ा आप भी इसको महसूस ज़रूर कीजियेगा

सेहत के लिए किस उम्र में कितना चलना बेहद लाभदायक ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , रोजाना चलने से लोगों को कई सारे फायदे मिलते हैं। जैसे – आपका हार्ट हेल्दी रहता है, आपका ब्लड शुगर भी कंट्रोल में रहता है और आपका पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है। पैदल चलना लोगों के लिए बेहद अच्छी एक्सरसाइज मानी जाती हैं इसलिए आपने देखा ही होगा कि कई लोग पैदल चलना ही पसंद करते हैं। पैदल चलने से वजन तो कम होता ही हैं साथ ही आपका दिमाग भी शांत रहता है। पैदल चलने से आप फिजिकली भी एक्टिव रहते है, और ब्लड सर्कुलेशन भी बना रहता है। तो चलिए आज हम आपको बताते है कि किस उम्र के मुताबिक लोगों को रोजाना कितने कदम चलना चाहिए। जिस से आप अपने आपको स्वस्थ रख सकें।

6 से 17 साल के बीच

उम्र के हिसाब से हर किसी को अपने स्टेप्स पर ध्यान देना चाहिए। पैदल चलने से आप फिजिकली भी एक्टिव रहते है, और इससे आपका ब्लड सर्कुलेशन भी बना रहता है, इसलिए 6 से 17 साल के लोगों को 13 से 15 हजार कदम रोजाना चलना चाहिए।

18 से 40 साल के बीच

18 से 40 साल के बीच के लोगों को रोजाना 12 हजार कदम पैदल चलना चाहिए। इस में लोगों कई सारी बीमारियां भी हो जाती है। इसलिए बीमारियों से दूर रहने के लिए 40 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को चलना तो जरूर ही चाहिए।

40 साल के बाद

40 साल के बाद लोगों को रोजाना 11 हजार कदम पैदल चलना चाहिए। ये उम्र लोगों के मेहनत करने की होती है। कई लोग तो पैदल चलकर दी अपने वजन को कम कर लेते हैं। और बीमारियों से भी दूर रहते है।

ठहरिए! कहीं आप तो फ्रिज में नहीं रखते हैं उबले आलू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , अक्सर लोगों की आदत होती है, कि वह एक साथ बहुत सारे आलू उबाल लेते हैं और बचे हुए आलुओं को फ्रिज में रख देते हैं। इसके बाद आराम से आलू का इस्तेमाल टिक्की बनाने या आलू पराठा बनाने में करते हैं। यदि आप भी ऐसा कर रहे हैं तो गलती कर रहे हैं। उबले आलू को भूलकर भी फ्रिज में न रखें। इससे स्वास्थ को नुकसान पहुंच सकता है। उबले हुए आलू को उसी दिन काम में लेना फायदेमंद रहता है। रिसर्च बताते हैं कि उबले आलू को फ्रीज में रखने से आलू में जो स्टार्च होता है,वो शुगर में बदल जाता है।

यदि हम इस आलू को बाद में फ्राई कर लेते हैं तो यही आलू अमीनो एसिड में बदल जाता है, जो सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसे में आलू को फ्रिज में रखने की आदत आपकी सेहत को तहस नहस कर सकती है।सिर्फ उबला ही नहीं, बल्कि कच्चा आलू भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। इससे आलू सड़ सकता है। फ्रिज में आलू रखने के बाद उसमें मौजूद शुगर आलू में मौजूद एमिनो एसिड ऐस्परैगिन के साथ मिलकर ऐक्राईलामाइड रसायन बनाता है। इसी रसायन का इस्तेमाल पेपर और प्लास्टिक बनाने में किया जाता है और कपड़ों को डाई करने में इस्तेमाल कयिा जाता है। इसलिए यह सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

आलुओं को कम से कम 50 F (10 C) तापमान पर स्टोर करना सबसे सही माना जाता है। अगर आलू को 10-12 डिग्री सेल्सियस तापमान से कम पर रखते है तो आलू का स्टार्च सिम्पल सुगर्स (simple sugars)- ग्लूकोस, फ्रूक्टोस आदि मे परिवर्तित हो जाती है। इस कारण आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। अगर हम इन आलुओं से चिप्स या फ्राइस आदि बनाते है तो वो भूरे व काले रंग के बनते है, जो स्वास्थ के लिए हानिकारक होते है और अधिक मात्रा मे खाने पर कैंसर होने का भी अंदेशा होता है। इस कारण से खाने व प्रसंस्करण के लिए आलुओं का भंडारण 10-12 डिग्री सेल्सियस तापमान पर होता है।

इसके अलावा उबले आलू में बैक्टीरिया तेजी से वृद्धि करते हैं,जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसलिए उबले आलूओ को तुरंत इस्तेमाल कर ले और उन्हें स्टोर करने से बचे। आलू को कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। 1-2 घंटे से ज्यादा बाहर न निकलें। आलू को छोटे एयरटाइट कंटेनर या प्लास्टिक बैग में रखें जो अच्छी तरह से सील हो जाए। फ्रिज में रखें।

अपने उबले हुए आलू को फ्रिज में 3-5 दिनों के लिए स्टोर करें। शुगर मरीजों के लिए खतरनाक ऐसे लोग जो टाइप 2 डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर से पीड़ित हैं उन्हें आलू का सेवन करने से बचना चाहिए। आलू ग्लाइसेमिक इंडेक्स में हाई होता है और इसके सेवन से शरीर में ब्लड शुगर यानि ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है।

फ़िल्म बाजार-2023 में उत्तराखंड की फ़िल्म नीति की सराहना : डॉ. नितिन उपाध्याय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 नवंबर , 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अंतर्गत फ़िल्म बाजार-2023 में उत्तराखंड पवेलियन में डेस्टिनेशन उत्तराखंड के तहत विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म निमार्ताओं द्वारा राज्य में फ़िल्म शूटिंग एवं निवेश के प्रति रुचि दिखाई है। उत्तराखंड फ़िल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार राज्य में फ़िल्म शूटिंग एवं फ़िल्म उद्योग में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य में आगामी दिसम्बर 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2023 का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखंड सरकार द्वारा निवेश के दृष्टिकोण से नई फिल्म नीति भी प्रस्तावित की गई है। गोवा में आयोजित फ़िल्म बाजार 2023 में उत्तराखंड पवेलियन द्वारा फ़िल्म शूटिंग एवं निवेश सम्बंधी जानकारी दी गईं है।

नोडल अधिकारी डॉ नितिन उपाध्याय द्वारा बताया गया कि 20 नवम्बर से 22 नवम्बर 2023 तक विभिन्न फ़िल्म निर्माताओ एवं प्रोडक्शन हाउस द्वारा जानकारी प्राप्त की गई है, जिसमे पेरिस से आयी अभिनेत्री एवं निर्देशक मैरियन बोरगा ने उत्तराखंड की फ़िल्म नीति की सराहना की। उन्होंने कहा वह उत्तराखंड में 10 वर्ष पहले आयी थी। यहाँ के नैसर्गिक एवं धार्मिक स्थल काफी सुंदर है। उन्होंने कहा वे फ्रांस के फ़िल्म निर्माताओं को उत्तराखंड में निवेश व शूटिंग के लिए प्रयास करेंगी। आस्ट्रेलिया से आये उत्तराखंड मूल के निर्देशक अनुपम शर्मा ने कहा कि वह आस्ट्रेलिया में रहकर उत्तराखंड की संस्कृति के प्रचार प्रसार का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि वह आस्ट्रेलिया के फ़िल्म निर्माताओं के साथ मिलकर राज्य में फ़िल्म

शूटिंग एव निवेश की योजना बना रहे है। विस्तास मीडिया कैपिटल के ग्रुप सीओओ पीयूष सिंह ने बताया कि कंपनी फ़िल्म प्रोडक्शन एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करती है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी के आबू धाबी, कनाडा, दुबई, लंदन, मुम्बई, न्यू यॉर्क, सिंगापुर आदि स्थानों पर संचालित है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी उत्तराखंड राज्य में फ़िल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करना चाहती है। डॉ. नितिन उपाध्याय ने श्री पीयूष सिंह को राज्य में आयोजित होने वाले निवेश सम्मेलन में प्रतिभाग करने का अनुरोध किया।

फ़िल्म निर्माता शाहनाब आलम ने कहा कि उत्तराखंड में फ़िल्म लोकेशन बेहतरीन है। महाराष्ट्र सरकार में प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री विकास खरगे द्वारा भी उत्तराखंड पवेलियन का भ्रमण किया गया, जिसमें उनके द्वारा उत्तराखंड सरकार की फ़िल्म नीति एव योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। उनके द्वारा कहाँ गया कि उत्तराखंड और महाराष्ट्र सरकार आपस मे कोई कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिससे दोनों राज्यो के मध्य फ़िल्म, कला एवं संस्कृति का आदान प्रदान किया जा सके।

फ़िल्म निर्माता व अभिनेता सतीश शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा फ़िल्म निर्माता व निर्देशक के अनुकूल फ़िल्म नीति तैयार की जारी है, जिसके लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी बधाई के पात्र हैं। उत्तराखंड पवेलियन में शौम्य फ़िल्म के चरणप्रीत सिंह, हकनित ब्लॉग्स, एन.एफ.डी.सी.के श्री अनुभव खंडूड़ी, सिविक स्टूडियो मुम्बई, लोटस डस्ट पिक्चर के अंकित गाँधी, वेव मल्टीमिडिया के विनोद गुप्ता, एबीना ग्रुप के नीतू जोशी, संजय मित्तल, पी.एच. डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स के डिप्टी सेक्रेटरी संचित प्रभाकर, मीडिया मैजिक के विक्रम राज़दान आदि द्वारा भ्रमण किया गया। उत्तराखंड पवेलियन में फ़िल्म निर्माता व निर्देशकों का स्वागत स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर किया गया।

प्रमुख सचिव मा. मुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार विकास खरगे को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी डॉ नितिन उपाध्याय।

दिनांक 22 नवंबर 2023

भाजपा महानगर कार्यालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 नवंबर : भारतीय जनता पार्टी के महानगर कार्यालय पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बैठक आयोजित की गई।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी जी ने इस महत्वपूर्ण अभियान विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सभी कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया साथ ही कार्यकर्ताओं को बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विभिन्न जनकल्याण योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के सभी जिलों की सभी ग्राम पंचायत शहरी निकाय में चलेगी इस यात्रा का प्रारंभ मान्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर के अवसर पर झारखंड के रांची में से हो गया था ।

यह यात्रा 26 जनवरी तक चलेगी। यात्रा में सभी सांसद राज्य के सभी मंत्री एवं विधायक सभी वरिष्ठ नेताओं को यात्रा में रहना अपेक्षित किया गया है। साथ में पार्टी की ओर से सभी सरकारी जनपदों में एक-एक समन्वयक नियुक्त किया जा चुके हैं।कार्यकर्ताओं को एवं पदाधिकारी को नैतिक रूप से सभी योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक अवगत कराना है।

महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण बैठक के विषय को लेकर आप हमारे बीच में उपस्थित हुए हैं हम आपको आश्वासन देते हैं कि महानगर इस विकसित भारत संकल्प यात्रा

में अपनी पूर्ण भूमिका निभाएगा और इस यात्रा के माध्यम से प्रत्येक जन जन तक राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में अवगत कराएगा जिन क्षेत्रों में अभी तक इन लाभकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पाया है उन सभी लोगों को इन लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित करना भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। साथ ही महानगर अध्यक्ष जी ने सभी मंडल अध्यक्ष एवं मोर्चा के अध्यक्षों की इस अभियान विकसित भारत संकल्प यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए कहा गया है साथ ही सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि इस विकसित यात्रा में सभी लोगों को एकत्रित करना लोगों की स्वास्थ्य की जांच करना एवं सरकारी योजनाओं को जन-जन तक लाभ प्राप्त हो सके। उनके लाभकारी योजनाओं के फार्म भी भरवाना यह पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

कार्यक्रम में रायपुर विधानसभा के विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ जी एवं कैंट विधानसभा की विधायक श्रीमती सविता कपूर जी ने भी सभी कार्यकर्ताओं को इस भारत विकसित संकल्प यात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण अभियान को नजर रखते हुए इस यात्रा को प्रारंभ किया गया है इस यात्रा के माध्यम से हम जन-जन तक पहुंच कर राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं के द्वारा उनको लाभान्वित करेंगे।

कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष एवं मन की बात के प्रमुख सुनील शर्मा जी ने आने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात को कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक की और प्रदेश महामंत्री जी को आश्वासन दिया कि आने वाली इस कार्यक्रम में हम पुनः प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम में महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र ढिल्लोंजी संतोष सेमवाल महानगर महामंत्री विजेंद्र थपलियाल सुरेंद्र राणा महानगर मंत्री संकेत नौटियाल देवेंद्र पाल मोटी विमल उनियाल कार्यालय प्रभारी विनोद शर्मा कोषाध्यक्ष मोहित शर्मा प्रदीप कुमार विपिन खंडूरी रंजीत सेमवाल मोर्चा अध्यक्ष अर्चना बागड़ी यासमीन आलम खान राकेश आर्य विशाल कुमार प्रदीप दुग्गल मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे राहुल लारा प्रकाश बडोनी विनोद पुंडीर अंजू बिष्ट अजय शर्मा जगदीश बद्री एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टिहरी झील में अब कीजिए हाईटेक क्रूज की सवारी, नए साल पर पर्यटकों को खास सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी गढ़वाल 23 नवंबर : टिहरी झील को अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट हब के रूप में डेवलप किया जा रहा है।ये जगह पिछले कुछ सालों में एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीनों का नया ठिकाना बनकर उभरी है। यहां तमाम तरह के वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठाया जा सकता है। अब नए साल के मौके पर लोग यहां चलते फिरते क्रूज बोट में रात बिता सकेंगे। टिहरी झील में बनी फ्लोटिंग हट्स पहले से ही पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। अब यहां पर्यटन विभाग के सहयोग से झील में 12 कमरों के क्रूज बोट का निर्माण कराया जा रहा है।

जो कि अंतिम चरण में है। करीब साढ़े सात करोड़ की लागत से बन रहे क्रूज का काम दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। नए साल पर टिहरी आने वाले पर्यटक इस क्रूज बोट की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। क्रूज बोट प्रोजेक्ट की देखरेख टिहरी झील विशेष क्षेत्र पर्यटन प्राधिकरण के जिम्मे है। विभाग ने निविदा के माध्यम से एक निजी क्षेत्र की एसएन फोरेस्टी को क्रूज बोट चलाने की अनुमति दी है। संबंधित कंपनी ने क्रूज ढांचा तैयार कर उसे झील में उतार दिया है। क्रूज बोट में आधुनिक सुविधा युक्त 12 कमरे, रेस्टोरेंट, शौचालय आदि बनाए जा रहे हैं।

साथ ही क्रूज में विभिन्न तरह के गढ़वाली, देशी-विदेशी व्यंजन भी पर्यटकों को परोसे जाएंगे। ऐसे में उम्मीद है कि झील में क्रूज के शुरू होने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। इसके निर्माण पर करीब साढ़े सात करोड़ की धनराशि खर्च होगी। जनवरी 2024 में क्रूज का झील में विधिवत रूप से चलना शुरू हो जाएगा। बता दें कि टिहरी झील में 2014-15 में बोटिंग सेवा शुरू हुई थी। वर्तमान में यहां पैरासेलिंग, बनाना राइडिंग, स्पीड बोट, जेट स्की, जॉबिंग, वाटर रोलर, वाटर स्कूटर समेत 100 से अधिक बोट संचालित की जा रही है।

सिलक्यारा ऑपरेशन : श्रमिकों का मेंटल हेल्थ सुधार रहे डॉक्टर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 23 नवंबर , उत्तराखंड के सबसे बड़े रेस्क्यू अभियान पर देश दुनिया की नज़र है इसी बीच राहत की खबरे भी लगातार आने लगी है। आज एम.डी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि टनल के अंदर 900 एम.एम पाइप को पुश किया गया था। वर्तमान समय में टेलीस्कोपिक मेथड से 900 एम.एम पाइप के अंदर, 800 एम.एम का पाइप को भी पुश कर लिया गया है। ऑगर मशीन से पुनः ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 39 मीटर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा शेष स्थान पर ड्रिलिंग का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। एमडी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि बड़कोट वाले छोर से होरिजेंटल ड्रिलिंग का कार्य शुरू हो गया था। जिसमें तीसरा ब्लास्ट कर लिया गया है। इस स्थान से लगभग 8 मीटर कार्य पूरा हो गया है।

सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि पूर्व में अंदर फंसे श्रमिकों के साथ वीडियो के माध्यम से संवाद हुआ था। अब एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की मदद से ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप तैयार कर लिया गया है। जिसमें वायर, माइक्रोफोन और स्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा है।सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप तैयार होने के उपरांत अंदर फंसे श्रमिको की सबसे पहले डॉक्टर से बात करवाई गई। इस क्रम में सभी श्रमिकों की एक-एक करके डॉक्टर से बात करवाई जा रही है। एवं उनका हाल-चाल जाना जा रहा है। उन्होंने कहा अंदर फंसे लोगों को जरूरी दवाइयां भेजी जा रही है। इसके अतिरिक्त मूलभूत सामग्री जैसे टॉवल, ब्रश, छोटे कपड़े भी भेजे जा रहे है।

सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि श्रमिकों की मेंटल हेल्थ को ध्यान रखते हुए मनोचिकित्सक से भी उनकी बात कराई जा रही है। अंदर फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार एवं उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्याधिकारी भास्कर खुल्बे, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, कमांडेंट एसडीआरएफ मणिकांत मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी मौजूद रहे।

सिलक्यारा में प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ले रहे जायज़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 23 नवंबर , सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के संबंध मेंअस्थाई मीडिया सेंटर, सिलक्यारा में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार एवं उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्याधिकारी भास्कर खुल्बे ने बताया कि ऑगर मशीन से पुनः ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 39 मीटर से अतिरिक्त 6 मीटर, इस प्रकार कुल 45 मीटर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा आने वाला समय और अधिक महत्वपूर्ण है। अगले फेज को ड्रिलिंग शुरू कर ली गई है। इस दौरान एम.डी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी मौजूद रहे।

मलबे में दबने से कम हो सकती हैं शरीर में ऑक्सीजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , जमीन धंसकने की वजह से उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में 9 दिन से 41 मजदूर फंसे हुए हैं। जन्हिं निकालने की कोशिश जारी है। हादसे की जगह पर एसडीआरएफ, आईटीबीपी और फायर टीमें मौजूद हैं। ताकि जरूरत के मुताबिक फटाफट इंतजाम हो सकें। हालांकि टनल के ऊपरी हिस्से से मलबा आ रहा है, जिसकी वजह से मजदूरों को निकालने में दिक्कत हो रही है।

मलबे कतिने दिन तक रह सकता है इंसान ?

जिंदा जब कोई भी इंसान किसी आपदा का शिकार होता है और मलबे में दब जाता है तो कई चीजें इसमें मायने रखती हैं। यानी अगर मलबा भारी है और इंसान के ठीक ऊपर गिरा है तो अगले कुछ ही घंटे में उसकी मौत हो सकती है। भूकंप जैसी आपदा में अक्सर ऐसा होता है। वहीं अगर कोई मलबे में दबा नहीं है, बल्कि फंस गया है तो उसके कुछ दिनों तक जिंदा होने के आसार रहते हैं। मलबे में दबे किसी इंसान के जिंदा रहने की संभावना उस बात पर भी निर्भर करती है कि उसे कितनी ऑक्सीजन मिल पा रही है, अगर वो चारों तरफ से मलबे से घिरा है तो वहां कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा बढ़ती रहेगी और दम घुटने से उसकी मौत हो सकती है। पुराने उदाहरणों के आधार पर माना जा रहा है कि भूकंप के मलबे में दबकर भी सामान्य सेहत वाला इंसान 3 से 5 दिनों तक जिंदा रह सकता है। वहीं कई मामलों में दो से तीन हफ्ते में भी सर्वाइवल हो सकता है, जो कुछ खास हालातों पर निर्भर करता है।

अब भीतर फंसे लोग सिरदर्द और उल्टियों की शिकायत कर रहे हैं। ये तब होता है, जब शरीर में ऑक्सीजन या पोषण घटने लगे। उम्मीद जताई जा रही है कि सभी मजदूरों को जिंदा निकाल लिया जाए। इसी बीच हम आपको ये बताने जा रहे हैं कि कोई भी ऑक्सीजन की कमी से क्या समस्या हो सकती हैं- शरीर में ऑक्सीजन की कमी से क्या गंभीर समस्याएं हो सकती हैं? अगर कोई इंसान भूकंप या फिर किसी जगह के धंसने के बाद मलबे में फंस जाता है तो कतिने दिन तक जीवित रहने की उम्मीद की जाती है।

हाइपोक्सिया है बड़ा खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो फिलहाल तो सबसे बड़ी चिंता यह है कि सुरंग में ऑक्सीजन की कमी के कारण श्रमिक गंभीर श्वसन समस्याओं, सांस लेने की समस्याओं और हाइपोक्सिया से पीड़ित हो सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, हाइपोक्सिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें बदलती बाहरी स्थितियों के

कारण शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। ऑक्सीजन सैचुरेशन स्तर 95% से 100% के बीच सामान्य माना जाता है। यदि ऑक्सीजन का स्तर इस सीमा से नीचे होता है, तो व्यक्ति को तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। अपर्याप्त ऑक्सीजन का स्तर - ऑक्सीजन सैचुरेशन स्तर 91% और 95% के बीच होना चिकित्सा समस्या का संकेत दे सकता है।

1974 में हलाल सर्टिफिकेशन की हुई थी शुरुआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने हलाल सर्टिफिकेशन को बैन कर दिया है. यानी उत्तर प्रदेश में अब कोई भी ऐसा प्रोडक्ट नहीं मिल पाएगा, जो ये बताता हो कि इसमें हलाल है या फिर नहीं... इस फैसले के बाद हलाल को लेकर एक बार फिर विवाद शुरू हो चुका है. विपक्षी दलों ने बीजेपी सरकार को घेरना शुरू कर दिया है, वहीं तमाम संगठन भी इसे लेकर अपनी राय दे रहे हैं. इसी बीच आज हम आपको बताएंगे कि आखिर ये हलाल सर्टिफिकेशन होता क्या है और इसे कौन जारी करता है.

क्या होता है हलाल?

सबसे पहले जान लेते हैं कि हलाल होता क्या है... दरअसल जिस जानवर को जिबह करके मारा जाता है, उसके मांस को हलाल कहा जाता है. जिबह करने का मतलब ये होता है कि जानवर के गले को पूरी तरह काटने की बजाय उसे रेत दिया जाता है, जिसके बाद उसके शरीर का लगभग सारा खून बाहर निकल जाता है. ऐसे ही जानवरों के मांस को हलाल मीट वाला सर्टिफिकेशन मिलता है.

क्या है हलाल सर्टिफिकेशन?

अब बात करते हैं कि ये हलाल सर्टिफिकेशन क्या होता है. हलाल सर्टिफिकेशन को ऐसे समझ सकते हैं कि ऐसे प्रोडकट्स जिन्हें मुस्लिम समुदाय के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं. मुस्लिम लोग हलाल प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करते हैं. सर्टिफाइड होने का मतलब है कि मुस्लिम समुदाय के लोग ऐसे प्रोडक्ट्स को बिना किसी संकोच खा

सकते हैं.भारत में पहली बार 1974 में हलाल सर्टिफिकेशन की शुरुआत हुई. भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई सरकारी संस्था नहीं है. कई प्राइवेट कंपनियां और संस्थाएं ऐसे सर्टिफिकेशन को जारी करती हैं. आरोप है कि हलाल मार्केट को बढ़ाने के लिए कुछ संस्थाएं ऐसे प्रोडक्ट्स पर भी ये सर्टिफिकेशन दे रही हैं, जिन्हें तमाम लोग रोजाना इस्तेमाल करते हैं. यूपी सरकार का कहना है कि सिर्फ मीट की बिक्री पर ही ऐसे सर्टिफिकेशन की जरूरत होती है, तमाम पैकेज्ड फूड पर ऐसे सर्टिफिकेशन की जरूरत नहीं है.

पूर्व डीजीपी ने बनाई राजनैतिक पार्टी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने राजनीति में एंट्री मार ली है। उन्होंने अपना अलग राजनीतिक दल बना लिया है। सुलखान सिंह ने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी नाम से अपनी अलग पार्टी बनाई है। पार्टी ने बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग की है। सुलखान सिंह 2017 में उत्तर प्रदेश के डीजीपी थे।सुलखान सिंह ने अपनी राजनीतिक पार्टी की शुरुआत बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाए जाने की मांग से की है। पूर्व डीजीपी ने उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के 15 जिलों को मिलाकर बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग की है।

बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग

इसमें उत्तर प्रदेश के सात जिलों झांसी, बांदा, हमीरपुर, चित्रकुट, ललितपुर, जालौन और महोबा को रखा गया है। जबकि एमपी के आठ जिलों दमोह, पन्ना, सागर, छतरपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, अशोकनगर को बुंदेलखंड में शामिल करने की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पूर्व डीजीपी बांदा पहुंचे। यहां

उन्होंने बस स्टैंड के पास एक होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज भी बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर नहीं है।

समय से सिंचाई न होने के कारण अन्नदाता की फसलें सूख रही हैं। मऊ और मरका पुल का निर्माण शुरु कराया गया, लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह महत्तपूर्ण प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चला गया। पूर्व डीजीपी ने मीडिया से कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए वह सक्रिय राजनीति में उतर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी बनाई है।

जानें क्यों मनाया जाता है थैंक्सगिविंग डे ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , यह साल का वह समय है, जब लोग थैंक्सगिविंग और क्रिसमस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। हर साल नवंबर के चौथे गुरुवार को थैंक्सगिविंग डे मनाया जाता है। इस साल थैंक्सगिविंग डे 26 नवंबर को मनाया जाएगा। विदेशों में इस दिन को बेहद शानदार तरीके से मनाया जाता है। अब इसकी लोकप्रियता भारत में भी बढ़ गयी है। अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे के साथ ही हॉलीडे सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके अलावा जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, जापान और अन्य देशों में भी इस दिन के साथ ही छुट्टियों का आगाज हो जाता है।

कब मनाया जायेगा थैंक्सगिविंग 2023 ?

इस साल यानी 2023 में थैंक्सगिविंग डे आज 23 नवंबर को मनाया जाएगा। वहीं ब्लैक फ्राइडे अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे के अगले दिन को कहते हैं जब पारंपरिक तौर पर क्रिसमस की खरीदारी के अवसर की शुरुआत होती है। साल 1863 से, थैंक्सगिविंग का एक वार्षिक उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। इस मौके पर लोग अच्छी फसल और भरपूर भोजन के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं। कुछ लोग यह भी दावा करते हैं कि पहला थैंक्सगिविंग 1598 में टेक्सास के एल पासो शहर में आयोजित किया गया था। इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि 1621 में थैंक्सगिविंग का शुरूआती समारोह आयोजित किया गया था जहां लोगों ने पम्पकिन पाई और टर्की का आनंद लिया था। अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे को क्रिसमस के समान ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इसकी तैयारियां पहले से ही शुरू कर दी जाती हैं। यही वजह है कि इस दिन पूरे अमेरिका में नेशनल हॉलिडे रहता है।

ऐसा भी माना जाता है कि इंग्लैंड से शरणार्थी के रूप में आए लोगों ने साल 1921 से इस दिन की शुरुआत की थी। इस दिन फसल रोपी जाती थे, जिसे हार्वेस्ट डे भी कहा जाता था। थैंक्सगिविंग एक ऐसा समय है जब व्यक्तिगत, परिवार के साथ और समाज के तौर पर जीवन में मिली चीजों के लिए आभार व्यक्त किया जाता है। यह हमें जीवन में मिलने वाली हर परिस्थिति, खुशियों के लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करने की प्रेरणा देता है। यह जिंदगी में एक दूसरे के सहयोग और उनकी उपस्थिति का सम्मान करना सिखाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संगठनों में थैंक्सगिविंग को छुट्टी के रूप में मनाया जाता है।

यह दिन आस-पास के सकारात्मक पहलुओं और लोगों की सराहना करने के लिए बेस्ट माना जाता है। कुछ लोग और संगठन थैंक्सगिविंग के मौके पर गरीब और जरूरतमंदों की मदद करते हैं ताकि वो भी छुटियों के इस मौसम का आनंद उठा सकें। पारंपरिक खानपान इस सेलिब्रेशन का अहम हिस्सा है। थैंक्सगिविंग डे के मौके पर रोस्ट किये टर्की, शकरकंद, कॉर्नब्रेड, मसले हुए आलू, क्रैनबेरी सॉस और भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाये और परोसे जाते हैं। परिवार और दोस्तों के साथ इकट्ठे होकर तरह तरह के पकवान बनाना और उनका आनंद लेना थैंक्सगिविंग डे को पूरा करता है। इस ख़ास दिन के मेन्यू में टर्की को स्पेशल जगह दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि हार्वेस्ट डे पर लोग टर्की का शिकार करते थे और उसे पकाकर खाते थे और तब से इस डिश को थैंक्सगिविंग डे में शामिल किया जाने लगा है।

नेता जी के सपनों को पूरा करना उनको सच्ची श्रद्धांजली : अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 नवंबर , समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय आहवान पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक देश के पूर्व रक्षा मंत्री, व बार के उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री निवर्तमान में लोकसभा सांसद रहे मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती पर उत्तराखण्ड समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी के कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । जहाँ प्रातः से ही मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजली देने वालों का ताँता लगा रहा ।सर्वप्रथम उत्तराखण्ड समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी ने अपने तमाम साथियों के साथ मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण एव पुष्प अर्पित कर श्रंधाजलि अर्पित की।

सपा. उत्तराखण्ड प्रभारी अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जैसा नेता सदियों में एक आद ही पैदा होता है ।नेता जी से लेकर उन्हें जितनी भी उपाधि मिली हैं । सब उनके कार्यों के कारण ही मिली है चाहे उसमें धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव हो ।चाहे जिसका जलवा क़ायम हे उसका नाम मुलायम है ।नेता जी सुभाष चन्द बॉस के बाद किसीको नेताजी की उपाधि मिली तो वह थे । मुलायम सिंह यादव इसी के साथ ही सिद्दीक़ी ने कहा मुलायम सिंह यादव उत्तराखण्ड के सबसे बड़े हितेषी थे । उन्होंने यहाँ की भौगोलिक व आर्थिक परस्तिथि को देखते हुए उत्तराखण्ड अलग राज्य बनाने का सपना देखा था ।जिसके लिये उन्होंने कोशिक क्मेटी व बर्थवाल कमेटी का गठन करके उत्तराखण्ड राज्य बनाने की शुरुआत करने के साथ साथ दो बार उत्तर प्रदेश के दोनो सदनों विधानसभा व विधान परिषद से उत्तराखण्ड का बिल पास कराके केंद्र सरकार को भेजा ।लेकिन जिस उत्तराखण्ड का सपना मुलायम सिंह यादव एवं यहाँ की जन्ता ने देखा था ।आज उत्तराखण्ड की तस्वीर बिल्कुल उसके विपरीत है। बेरोज़गारी, पलायन, भ्रष्टाचार, अपराध सभी चरम सीमा पर है।

साथ ही सिद्दीक़ी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जी किसानों ग़रीबों व्यापारियों छात्रों कर्मचारियों सहित सभी वर्गों के सच्चे हितेषी थे ।और उन्होंने सभी वर्गों के लिये भरपूर कार्य किये ।विशेष रूप से अपने रक्षा मंत्री के कार्यकाल में सेना का मनोबल बड़ाने के साथ-साथ हमारे शहीद जवानों का शव ससम्मान उनके घर पहुँचाने के साथ-साथ पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अन्तिम संस्कार कराने का जो कार्य किया है ।वह अपने आप में एक एतिहासिक फ़ैसला है ।

इससे पूर्व शहीद की बेल्ट और टोपी उनके घर आती थी। अंत में सिद्दीक़ी ने कहा कि नेता जी के अधूरे सपनों को पूरा करना ही उनको सच्ची श्रंधाजली होगी ।साथ ही उन्होंने कहा नेता जी की कथनी और करनी में कोई अन्तर नहीं था। वह जो कहते थे। वही करते थे।

उत्तराखण्ड के पर्वर्तीय इलाकों में जितना विकास माननीय नेता जी की सरकार के समय में हुआ है ।अभी तक की कोई भी सरकार पर्वतीय इलाकों में इतना काम नहीं करा पाई है ।गोष्ठी को सम्बोधित करने एवं जयन्ती कार्यक्रम में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से एडवोकेट सुरेश परिहार, जावेद सिद्दीक़ी, पार्षद इस्लाम मिकरानी, अलीम अंसारी, मेराज खाँ, अज़हर मलिक, वक़ारअहमद, फ़हीम अहमद, रेहान मलिक, उमैर मतीन, वकील अहमद, (पप्पू) गौरव गुप्ता, अर्जुन राठौर, ज़ाहिद खाँ, हिना यादव, शकील अंसारी, सलीम सैफी, अनवर क़ुरैशी, राजू सिद्दीक़ी, नासिर हुसैन, अथर क़ुरैशी, रेहान क़ुरैशी, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लड़कियों के आंसू पोंछते की नौकरी है मज़ेदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 नवंबर , वर्कलोड और स्ट्रेस की वजह से रोती बिलखती लड़कियों को चुप करवाने के लिए हैंडसम लड़कों को जॉब पर रखा गया है। जो इनके आंसू पोछ कर इनको चुप करवाते हैं। इसके लिए लड़कियों को पैसे भी खर्च करने पड़ते हैं। इसके अलावा औरतें इन करिए पर भी मुहैया करवा सकती हैं। औरतों का तनाव दूर करने के लिए लड़के सिर्फ उनके आंसू ही नहीं पोछते बल्कि उनकी चंपी भी करते हैं। कुछ समय इन लड़कियों के साथ गुजार पर वह काफी हद कर अकेलेपन और तनाव से दूर राहत पा सकती हैं।

हैंडसम वीपिंग बॉयज़ के नाम जाने जाते हैं

लड़कियों के आंसू पौंछने वाले और दर्द बांटने वाले इन पुरुषों को ₹हैंडसम वीपिंग बॉयज़₹ कहा जाता है। यानी आंसू पोंछने वाले खूबसूरत पुरुष। तनावग्रस्त लोगों के आँसू पोंछने वाले ये पेशेवर वीपिंग बॉयज़ अपनी सतही अपील के अलावा महिलाओं को इमोशनल सर्पोट देने में महरि है। ठहरिए ! कहीं आप तो फ्रिज में नहीं रखते हैं उबले आलू , खाने से हो सकती हैं ये बड़ी बीमारी इस सर्विस के पीछे का यह है मकसद इस सर्विस को मुहैया कराने वाले बिजनेसमैन हिरोकी तराई ने मीडिया से हुई बातचीत में बताया कि 'Ikemeso Danshi' (इकेमेसो दान्शी) सर्विस को शुरु करने की असल वजह थी ताकि लोग खुलकर रो पाएं और अपने भीतर के गम को बाहर नकिाल सकें। क्योंकि रोना भी सेहत के लिए जरुरी है। इससे अंदर का तनाव कम होता है।

इस तरह की सर्विस शुरु करना एक नई पहल थी। : इस सर्विस का कॉन्सेप्ट रुई-कात्सु यानी आंसू तलाशने के सिद्धांत पर आधरित है। जिसका उद्देश्य है ऐसा वातावरण स्थापित करना जहां लोग खुलकर भावनात्मक अभिव्यक्ति को जाहरि कर सकें और लोगों को सर्पोट मलि सकें। लोग इकेमेसो दान्शी की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। इकेमेसो दान्शी, आकर्षक साथी प्रदान करते हैं जिन्हें ₹हैंडसम वीपिंग बॉयज़₹ कहा जाता है। ये पेशेवर, आंसू पोंछने में माहिर हैं। वे, साझा भावनात्मक अनुभवों के ज़रिए, आराम भी प्रदान करते हैं। 7,900 येन या लगभग 4,400 रुपये के शुल्क पर, लोग इनकी सेवाएं ले सकते हैं।

मसूरी जाने वाले सावधान, यहां अलग अलग जगहों में दिखा खूंखार गुलदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 नवंबर : मसूरी जा रहे पर्यटकों को गुलदार से सावधान रहने की जरूरत है। उत्तराखंड के दूसरे शहरों की तरह अब मसूरी में भी गुलदार की धमक बढ़ने लगी है। यहां गुलदार अलग-अलग इलाकों में टहलता दिख रहा है, जिससे लोगों में दहशत है। शहर के कैमल बैक बहुगुणा पार्क के नीचे, वुडस्टॉक स्कूल के फरक्लब के आसपास क्षेत्र और हुसैनगंज में गुलदार दिखाई देने से स्थानीय लोगों में डर बना हुआ है। लोगों ने गुलदार की फोटो खींची है, जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

मसूरी के कई लोगों ने गुलदार के दिखने की बात कही है। घटना का जो फोटो सामने आया है, वो हुसैनगंज का बताया जा रहा है। मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त करने और लोगों को सतर्क रहने की अपील जारी की। रेंज अधिकारी शिव प्रसाद गैरोला ने बताया कि वायरल फोटो हुसैनगंज का बताया जा रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी गुलदार दिखाई देने की सूचना मिली है। जहां से सूचनाएं आ रही हैं वहां गश्त बढ़ाई जा रही है। साथ ही लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। मसूरी के जिन क्षेत्रों में गुलदार की चहलकदमी देखी गई है, उनमें वुडस्टॉक स्कूल के क्लब के आसपास का क्षेत्र और हुसैनगंज जैसे इलाके शामिल हैं। इसके अलावा शहर के कैमल बैक बहुगुणा पार्क के नीचे भी गुलदार को घूमते हुए देखा गया। गुलदार के डर लोग इन दिनों अंधेरा होने से पहले ही घरों में कैद होने लगे हैं। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग भी की है।

संपादकीय

कोरोना टीके से मौत नहीं

देश भर में अचानक युवा मौतों का कारण कोरोना वायरस का टीकाकरण नहीं है। टीके से अचानक और अकारण मौत का जोखिम भी नहीं बढ़ता। बल्कि टीके की दो खुराक ऐसी मौतों के जोखिम को कम ही करती हैं। यह निष्कर्ष भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सर्वेक्षण एवं अध्ययन का है। परिषद ने अक्तूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच 18-45 आयु वर्ग के लोगों पर यह अध्ययन किया है। देश भर के 47 प्रमुख अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा-कर्मियों ने, कई बिंदुओं को आधार बनाकर, यह अध्ययन किया है। अब आईसीएमआर की रपट सार्वजनिक है, जो कोरोना टीके से जुड़ी भ्रांतियों और धारणाओं को तोड़ सकती है। आईसीएमआर के अध्ययन-समूहों के सामने अचानक, अकारण और गंभीर बीमारी न होने के बावजूद करीब 29,000 मौतें थीं। यह बहुत बड़ा और भयानक आंकड़ा है। कोई व्यक्ति सुबह की सैर कर रहा था या पार्क में जॉगिंग कर रहा था अथवा बैडमिंटन खेल रहा था या गरबा नृत्य कर रहा था अथवा जिम, पार्क में व्यायाम कर रहा था अथवा अपने दफ्तर में सामान्य कामकाज में व्यस्त था, लेकिन ऐसे लोग अचानक जमीन पर गिर पड़े। देखते ही देखते उनकी मृत्यु हो गई। अंततः डॉक्टर की रपट आई कि हार्ट अटैक से मौत हुई है। अधिकतर लोग स्वस्थ ही थे। जिन मामलों का चिकित्सीय विश्लेषण डॉक्टरों ने किया है, उनमें करीब 81 फीसदी लोगों ने कोरोना टीके की पहली खुराक ही ली थी। उनके आसपास रहने वाले 2916 लोगों में से 87 फीसदी ने कमोबेश एक खुराक ली थी, 401 लोगों ने दो खुराक ली थी, जबकि 133 ने कोई भी खुराक नहीं ली थी। कोरोना महामारी के बाद ऐसी मौतें सामने आईं, तो कोरोना टीकों पर सवाल उठाए गए। उन्हें 'घातक' और 'जानलेवा' तक करार दिया गया। ऐसे आरोप और आशंकाएं जताई गईं कि टीका लेने से ही मौतें हो रही हैं। टीके के दुष्प्रभाव अब सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों के अभिमत भी असमंजस में थे, लिहाजा आईसीएमआर का अध्ययन करने का विचार सुखद और सकारात्मक है। अध्ययन में यह महत्वपूर्ण सच भी स्पष्ट हुआ है कि 10 फीसदी मौतें ऐसी हुई हैं, जिनके संदर्भ में 'अचानक मौत' का पारिवारिक इतिहास रहा है। मृतकों में 18 फीसदी ऐसे थे, जिन्होंने अत्यधिक और असामान्य शारीरिक श्रम किया था अथवा वे जरूरत से ज्यादा और थकाऊ व्यायाम करते थे। धूम्रपान और शराब का नियमित सेवन करने वाले 27-27 फीसदी लोग भी थे। इनमें से करीब 7 फीसदी लोगों ने मौत के 48 घंटे पहले शराब पी थी। करीब 18 फीसदी लोगों ने बीते एक साल में अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधियां की थीं। अध्ययन में यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि शराब जितनी अधिक या बार-बार पी जाएगी, अचानक मौत की संभावनाएं भी उतना अधिक बढ़ेंगी। अचानक मौतें नशीले पदार्थों के सेवन के कारण भी हुई हैं। कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों में भी ऐसी मौत की संभावनाएं चार गुना ज्यादा देखी गई हैं। बहरहाल कोरोना टीके के कारण अचानक मौतें नहीं हो रही हैं, यह एक बेहद महत्वपूर्ण शोधात्मक निष्कर्ष है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जरनल में प्रकाशित किया जाना चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

राकेश टिकैत का रुड़की हाईवे पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर /सहारनपुर 22 नवंबर : भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत देहरादून से मुजफ्फरनगर जाते हुए रुड़की रोड हाईवे छुटमलपुर पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला प्रवक्ता मास्टर रघुवीर सिंह युवा जिला अध्यक्ष नदीम अंसारी के नेतृत्व में यूनियन के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने सभी पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए निर्देश दिए इस, इस दौरान युवा जिला अध्यक्ष नदीम अंसारी जिला प्रवक्ता मास्टर रघुवीर सिंह तहसील उपाध्यक्ष सचिन चौधरी सोनवीर चौधरी सलीम अंसारी साहेब अंसारी असलम अंसारी अल्ताफ अंसारी अहमद अली शेर अली अल्तमश अंसारी शाहिद अंसारी ताहिर अंसारी जावेद अंसारी दिलशाद अंसारी मोनू मलिक जाकिर उर्फ पप्पू आदि भाकियू टिकैत के कार्यकर्ता मौजूद रहे

उत्तराखंड : पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार है औली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 23 नवंबर : उत्तराखंड पर्यटन के क्षेत्र में विशेष स्थान रखता है। फिर बात चाहे वाटर स्पोर्ट्स की हो या फिर स्कीइंग की यहां हर किसी के लिए कुछ न कुछ जरूर है। रिवर राफ्टिंग के लिए लोग ऋषिकेश पहुंचते हैं तो स्कीइंग के लिए औली मशहूर है। एक बार फिर औली पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार नजर आ रही है।

चमोली जिले में औली स्की रिजॉर्ट और हिल स्टेशन पर्यटकों की राह देख रहा है। यहां पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता के अलावा विभिन्न प्रकार की साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठा सकते हैं। बीते साल जब जोशीमठ में भूस्खलन हुआ तो लोगों ने औली की ओर जाना कम कर दिया था। पर्यटक यहां आने से कतरा रहे थे, लेकिन अब हालात बदले हैं, एक बार फिर पर्यटकों ने जीएमवीएन के गेस्ट हाउस और अन्य स्थानों पर होटल में कमरों की बुकिंग करानी शुरू कर दी है, जो कि पर्यटन के लिहाज से शुभ संकेत है। टूर कंपनियों ने भी पर्यटकों के लिए टूर पैकेज तैयार किए हैं। औली से हिमालय की ऊंची पहाड़ियों का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है, यहां पर्यटक कई तरह की साहसिक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। औली को भारत के सबसे अच्छी स्कीइंग वाली जगहों में भी गिना जाता है। यहां एक खास मंदिर भी है। जिसके बारे मे कहा जाता है कि संजीवनी बूटी लेने के लिए हिमालय की ओर जाते वक्त भगवान हनुमान यहां आराम करने के लिए रुके थे। आज भी इस मंदिर में लोगों की भीड़ लगी रहती है। औली में स्कीइंग और ट्रैकिंग की जा सकती है। ये जगह समुद्र तल से लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। हरे-भरे मैदानों वाला औली सर्दियों में पूरी तरह से बर्फ से ढक जाता है, यहां से आप हिमालय की खूबसूरत वादियों का दीदार कर सकते हैं।

महाराज ने चौबट्टाखाल को दी 37 करोड़ 34 लाख की योजनाओं की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 23 नवंबर , प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान एकेश्वर एवं जयहरीखाल विकासखण्ड को 37 करोड़ 34 लाख से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी।प्रदेश के धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान एकेश्वर (पणखेत) में 337.39 लाख की लागत से निर्मित विकासखंड मुख्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करने के साथ-साथ एकेश्वर विकासखण्ड के अन्तर्गत 52.31 लाख की धनराशि से बनने वाले प्राथमिक विद्यालय हलाई मोटर मार्ग, 536.39 लाख की पावौं संतुधार- नौगांवखाल-दमदवेल-चौबट्टाखाल, चौरीखाल मार्ग, 125.11 लाख के पाटीसैंण-तछवाड मोटर मार्ग, 31.15 लाख की पणखेत से मथाणा मोटर मार्ग के वन टाईम मैन्टनेंस के कार्य, 78.74 लाख के थापला से सासौ मोटर मार्ग के वन टाईम मैन्टनेंस कार्य, 76.10 लाख के जणदादेवी-मरडा-स्योली-अन्दकिल- रीठाखाल मोटर मार्ग के कार्य, 62.30 लाख के अमोठा से डोवल मोटर मार्ग,

टी 03 के किमी0 18 से 37.74 लाख के गोरली मोटर मार्ग, 278.72 लाख के संगलाकोटी -पोखड़ा मुख्य मोटर मार्ग के सेमी सेरा से ग्राम सेमी व ग्राम नरस्या तक ग्रामीण मोटर मार्ग, 135.56 लाख के खिर्कू मुख्य मोटर मार्ग से ग्राम पसोली तक ग्रामीण मोटर मार्ग, 143.67 लाख के सतुपली रीठाखाल मुख्य मोटर मार्ग के ग्राम गादेई चमडल मोटर मार्ग, 349.71 लाख के रीठाखाल मुख्य मोटर मार्ग के कबरा से मोल्टी बिचली तक ग्रामीण मोटर मार्गों के अलावा विकासखण्ड मुख्यालय में 46.43 लाख की लागत से निर्मित होने वाले आवासीय भवन टाईप-2 योजनाओं का शिलान्यास कर 70 लाख की धनराशि के ग्राम पंचायत पुसोली, सासौं, कुलासु, ड्यूल्ड, बिन्जोली, बंठोली के पंचायत भवनों का लोकार्पण तथा ग्राम पंचायत धरासू के पंचायत भवन का शिलान्यास भी किया।

एसएसपी चमोली ने अपराध सम्मेलन बैठक में दिए कड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 23 नवंबर : पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS) द्वारा पुलिस लाईन गोपेश्वर स्थित सभागार में जनपद से समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारियों, स्था0अभि0 इकाई, फायर सर्विस, दूरसंचार एवं अन्य शाखा प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर मासिक अपराधों की समीक्षा एवं कर्मचारियों के साथ सम्मेलन किया गया। गोष्ठी में उपस्थित समस्त थाना प्रभारियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत आवश्यक निम्न दिशा-निर्देश निर्गत किए।

थानों में लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर सम्बन्धित थाना प्रभारी/विवेचकों को शीघ्र निस्तारण करने व सम्मन/वारंट/नोटिस का समय निस्तारण किये जाने/अभियोगों में वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी किये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये।

सभी थाना प्रभारियों को प्रभावी अपराध नियंत्रण सहित पुलिस मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के तहत जनपद स्तर पर चलाए जा रहे अभियानों में रुचि लेकर प्रभावी कार्यवाही करने व थाना/चौकी क्षेत्रों में रह रहे बाहरी व्यक्तियों का डोर टू डोर शत प्रतिशत सत्यापन कराने/सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु यातायात नियमों का उल्लंघन

करने वाले एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले/ओवरलोड/ओवर स्पीड/रैश ड्राइविंग वालों पर सख्त कार्यवाही के भी निर्देश दिये गये।

महिला सुरक्षा के प्रति सजग एवं गंभीर रहते हुए महिलाओं से सम्बन्धित शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने पीड़ित महिला को तत्काल हर संभव सहायता प्रदान करने व उत्तराखंड पुलिस एप के गौरा शक्ति ई-कम्प्लेन के बारे में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को इसकी विस्तृत जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया।

साइबर अपराध, महिला सुरक्षा/महिला, अपराध/बाल, अपराध/नशा उन्मूलन आदि अपराधों की रोकथाम हेतु अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत नगरों, गांवों व स्कूल कॉलेजों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाकर महिलाओं/छात्र छात्राओं को उनके अधिकारों व कानून की जानकारी प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया।

जनपद में नशा मुक्त अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अवैध शराब, ड्रग्स (चरस, अफीम, स्मैक आदि) की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु इन्हें बेचने व सप्लाई करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम व एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर कार्यवाही किये जाने के दिशा-निर्देश दिए गए।आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत थाना/चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गए। ऑनलाइन पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने तथा प्रत्येक थाने की ऑनलाइन जीडी समय रखने हेतु निर्देशित किया गया।

सड़क दुर्घटना के प्रकरणों का डाटा ''आई रेड एप'' (इंटीग्रेटेड रोड एक्सिडेंट डाटाबेस) में समय का विशेष ध्यान रखते हुए अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी अधिकारी/कर्मचारीगणों के ए0सी0आर0 ऑनलाइन करने तथा समय से भरे जाने हेतु शाखा प्रभारी को निर्देशित किया गया।इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन/यातायात सुश्री नताशा सिंह सहित समस्त अधिकारी/कर्म गण मौजूद रहे।